तिरंगा यात्रा

पत्रकार वार्ता, (धान्क्या) जयपुर

16.08.2016

बहुत बहुत धन्यवाद राज्यवर्धन जी, वास्तव में आज बहुत अच्छा लगा जयपुर ग्रामीण क्षेत्र में तिरंगा यात्रा में हम सब शामिल हुए, बहुत ही उत्साह और उमंग युवा-युवतियों में देखने को मिला, मैं राज्यवर्धन जी को धन्यवाद भी दूंगा और बधाई भी दूंगा कि जिस कल्पना के साथ प्रधानमंत्री जी ने इस तिरंगा यात्रा को देश के समक्ष रखा था उसको वास्तव में आज मैंने जयपुर ग्रामीण इलाके में और हम धानक्या गाँव तक गए जहाँ पर पंडित दीन दयाल उपाध्याय ने अपना बचपन बिताया था, उनका ननिहाल था और मैं समझता हूँ पूरा देश राजस्थान के लिए कृतज्ञ रहेगा कि उन्होंने पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी जिनका जन्मशताब्दी 100 वर्ष हम इस वर्ष मनाने जा रहे हैं और जिनके दिए हुए एकात्म मानववाद और अन्त्योदय के सन्देश को हम अपने काम में, अपने कार्य में अच्छी तरीके से जो उन्होंने एक सुजलाम सुख्लाम भारत की कल्पना की थी उस कल्पना को कार्यान्वत करने में जो मोदी सरकार लगी हुई है जो वसुंधरा राजे सिंधिया जी की राजस्थान सरकार लगी हुई है |

मैंने अपने आप को बहुत ही धन्य माना कि मैं धानक्या जाके आज अपनी श्रधांजलि दे सकूँ, नमन कर सकूँ पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी को, इस तिरंगा यात्रा के माध्यम से एक बार और प्रधान मंत्री जी ने एक सन्देश दिया है कि राजनीति से उठके देश के प्रति लोगों में उतेजना पैदा हो, देश के प्रति सद्भावना पैदा हो और सभी लोग भारत के 125 करोड़ भारत वासी देश की अखंडता, देश की एकता के लिए जियें, अच्छा जीवन जियें और एक अच्छे जीवन जी के एक अच्छे देश का निर्माण, अच्छे देश का विकास करने में सभी 125 करोड़ नागरिक मिलके काम करें, टीम इंडिया की स्पिरिट बढाएं | जैसा उन्होंने इस वर्ष नहीं पिछले वर्ष कहा था जब हर एक व्यक्ति एक कदम आगे बढ़ता है तो भारत देश 125 करोड़ कदम आगे बढ़ता है, तो मैं समझता हूँ ये तिरंगा यात्रा उस 125 करोड़ भारत की जनता को तिरंगा के साथ और भारत के साथ जुड़ने का एक मौका बना है, साथ ही साथ हमने इस यात्रा के दौरान जो पूर्व सैनिक हैं, जो एक्स-सर्विसमैन हैं उनको जो One rank, One pension (OROP) के माध्यम से जो उनकी कई वर्षों की डिमांड थी लेकिन कई वर्षों से सरकारों ने उम्मीदें तो जगाई, घोषणाएं तो की लेकिन वास्तव में कभी कार्यान्वित नहीं किया था वो One rank, One pension को प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में इस सरकार ने कार्यान्वित किया है, उसके लिए बजट में पौने आठ, आठ हज़ार करोड़ का प्रावधान किया गया है और पहली बार देश के सभी एक्स-सर्विसमैन को इसका लाभ मिलेगा उसका जो हर्ष है, उसका जो उल्लास है, उसका जो हमें देखने को मिला पूर्व सैनिकों द्वारा उसका भी एक प्रकार से ये देश को सन्देश है कि ये देश सर्विसमैन के प्रति आर्मी, नेवी, एयर फ़ोर्स; इन सभी सर्विसेज में जो अपने

जीवन को बाज़ी लगाके, अपनी जान को न्योछावर करके भी इस देश की एकता, अखंडता और स्वाधीनता को सुरक्षित रखते है उसके प्रति ये 125 करोड़ लोगों का देश सदैव ही कृतज्ञ रहेगा ये मेसेज भी हमने तिरंगा यात्रा से देश के समक्ष रखा है | मैं बधाई दूंगा जयपुर और राजस्थान के सभी नौजवानों को जिन्होंने इस यात्रा में बहुत ही उत्साह के साथ भाग लिया और बधाई दूंगा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जी को कि उन्होंने एक और मौका दिया देश भक्ति के साथ जनता को जुड़ने का, ये तिरंगा यात्रा आज बहुत ही सफल हुई है जयपुर में और मुझे पूरा विश्वास है देश भर में इसी प्रकार से सफल रहेगा |

इसी अवसर पर केंद्र सरकार ने जो अलग-अलग योजनाएँ निकाली हैं उसका आज़ादी के 70वे वर्ष को जन कल्याण के लिए किए गए मोदी सरकार के प्रमुख 70 कदम उसके ऊपर एक किताब निकली है, उस किताब में अलग-अलग वर्गों के लिए, गरीबों के लिए, किसानों के लिए, युवाओं के लिए, रोज़गार के लिए, कई विशिष्ट वर्गों के लिए, प्रवासी भारतीयों के लिए अलग-अलग प्रकार से जो हमने योजनाएँ पिछले दो, सवा दो वर्षों में विशेष अभियान चलाए हैं, योजनाएं देश के समक्ष रखे हैं, सुशासन के लिए इन सब को इस किताब में कैप्चर किया गया है, ये किताब अब वेबसाइट पे भी है और देश भर में लोगों को दी जाएगी | बहुत बहुत धन्यवाद !

Q&A

गोयल साहब विपक्ष का ये सवाल है कि अभी तिरंगा यात्रा निकालने की ज़रुरत क्या पड़ गई थी, क्या ये गैरज़रूरी है ?

मुझे लगता है कि बहुत दुर्भाग्य की स्थिति है कि कुछ लोगों को हर एक चीज़ में विकृत तरीके से ही सोचने की आदत पड़ गई है, मैं समझता हूँ ये देश अपने आप में बहुत सक्षम है लेकिन देश भक्ति पुनः जागृत होती रहे वो हम सब के लिए लाभदायक है, क्या किसी को भी कोई आपत्ति हो सकती है तिरंगा यात्रा लेके? अगर युवा-युवतियों में देश भक्ति की भावना एक बार और ओत-प्रोत हो जाए तो मैं समझता हूँ ये तो बहुत अच्छा काम है और अच्छे काम को सराहना करना, अच्छे काम को प्रोत्साहन देने में भी एक हमारी ज़िम्मेदारी बनती है | मैं समझता हूँ कि मैं भी एक विद्यार्थी रहा, विद्यार्थी जीवन में इतिहास पढ़ते थे, इतिहास पढके बहुत ही आनंद आता था कि भारत के इतिहास में कितनी अच्छी-अच्छी गाथाएं हैं, राजस्थान तो वीरों की भूमि है, इनके वीरों की गाथाएं सुनके कितना पढके अच्छा लगता था ऐसे नौजवानों को पुनः हर वर्ष ऐसी गाथाएं, ऐसे examples मिले तो मैं समझता हूँ देश भक्ति और ज्यादा बढ़ेगी वो देश के लिए, देश के हित में है |

मंत्री जी ये देश भक्ति कश्मीर में भी चलाएंगे क्या, वहां पे ले जाके ये यात्रा.....

पूरे देश में ये चलेगी, पूरे देश में तिरंगा यात्रा चलेगी और मैं समझता हूँ कश्मीर एक भारत का अटूट अंग है इसमें भारत का हम सब के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा है और कश्मीर के भी नागरिक भारत के साथ जुड़े हैं, कश्मीर के भी नागरिक इस देश भक्ति में हमारे साथ जुड़े हुए हैं |

वहां यात्रा निकलेगी क्या?

ज़रूर निकलेगी |

कश्मीर में तिरंगा यात्रा किस.....

वो अलग अलग राज्य अपने आप तय कर रहे हैं |

पीयूष जी इतने साल बाद मोबैक पे बैठे हैं आप और राज्यवर्धन जी कैसे ड्राइव कर रहे थे?

मैं, I must thank, मैं धन्यवाद दूंगा मेरे मित्र राज्यवर्धन जी को, वास्तव में बहुत साल तो नहीं में लास्ट बैठा था नितिन गडकरी जी के साथ नागपुर में जब हम campaigning कर रहे थे 2014 में, तो जो आखिरी दिन था campaigning का उसमें रात को नितिन गडकरी जी के साथ वो चला रहे थे मैं पीछे बैठ के हम गए थे उनके क्षेत्र में, पर इतनी लम्बी यात्रा तो मैंने शायद बचपन में की होगी उसके बाद पहली बार की और चारों तरफ से मोटर साइकिल और जो उत्साह था, जो तिरंगा फैराने का जो मज़ा था, जो युवा-युवतियों में जो जोश था उस जोश को देखके आज मैं वास्तव में बहुत ही प्रसन्न हूँ मुझे बहुत ही अच्छा लगा |

सर, हेलमेट पहना नहीं था आपने?

जो साफा पहना जाता है, पगड़ी, allowed है कानून में, पगड़ी के साथ कोई चलाता है तो मोटर साइकिल allowed है, मैं समझता हूँ आप सब वो जानते होंगे |

But Mr. Goyal none of the other workers at the rally were also wearing helmets?

Well, there were all enthusiastic desh bhakts who were flying with the Tiranga yatra at a very slow speed.

पीयूष जी बलोचिस्तान को ले कर भी आपने कहा कि उसके अन्दर क्या इंडिया interfere कर सकता है?

प्रधान मंत्री जी ने उसके ऊपर कल अपना वक्तव्य दे ही दिया है 15 अगस्त के भाषण में और धन्यवाद किया बलोचिस्तान के लोगों का जिन्होंने प्रधान मंत्री जी के साथ संपर्क भी किया, प्रधान मंत्री जी का धन्यवाद किया, उनको उत्साह भी दिया कि भारत एक अच्छा पडोसी है, भारत अपनी जिम्मेदारियों को अच्छी तरीके से समझता है |

सर, आप इस मुद्दे पर बात कर रहे हैं लेकिन हिंगोनिया गौशाला वाले मामले में अभी तक विपक्ष का हर रोज़ धरना लगा रही है, हाई कोर्ट फटकार लगा रही है, क्या आप यहाँ की राज्य सरकार से बात करेंगे क्यूंकि प्रधान मंत्री जी ने भी बोला 80% गौसेवक शायद ईमानदार नहीं है?

देखिए कानून अपना काम कर रही है, कानून के हिसाब से जो-जो कदम उठाने चाहिए गौरक्षा के लिए वो राज्य सरकारें उठाती हैं, उठाने में सक्षम हैं | प्रधान मंत्री जी का जो इशारा था वो उन व्यक्तियों पे था जो कानून को अपने हाथ में लेके गौरक्षा के नाम पे गलत काम करते हैं, ऐसा नहीं है कि उन्होंने कोई गौरक्षा न हो इसके बारे में कुछ कहा हो, उन्होंने कहा जो गौरक्षक कानून अपने हाथ में लेके और गलत काम करते हैं उनको रोका जाए |

चलिए बहुत बहुत धन्यवाद ! Thank you!